गांधी सरनेम छोड़ दें राहुल, करानी चाहिए डीएनए जांच- विधायक पी वी अनवर

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस की कड़ी प्रतिक्रिया के बीच, राज्य में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विधायक पी वी अनवर ने यह कहकर एक और विवाद पैदा कर दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। व्यवसायी से विधायक बने अनवर ने कहा कि कांग्रेस नेता 'चौथे दर्जे के नागरिक' बन गए हैं, जो गांधी उपनाम से बुलाए जाने के लायक नहीं हैं।

विजयन के खिलाफ गांधी के हालिया बयान से खफा अनवर ने सवाल किया कि नेहरू परिवार से संबंध रखने वाला कोई व्यक्ति इस तरह के बयान कैसे दे सकता है। अनवर ने यहां एलडीएफ स्थानीय समिति द्वारा आयोजित एक बैठक में कहा, 'मेरी राय

है कि राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। इसमें कोई विवाद नहीं है।' गांधी ने राज्य में अपने हालिया प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया था कि विपक्ष शासित राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने वाली केंद्रीय एजेंसियों ने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता से पूछताछ क्यों नहीं और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया, जबकि उन पर कई आरोप लगे हैं। वामपंथी नेताओं ने विजयन के खिलाफ दिए गए बयानों के लिए कांग्रेस नेता की कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्हें विजयन के बजाय मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करनी चाहिए। गांधी के खिलाफ अनवर की आपत्तिजनक टिप्पणी पर विजयन से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने एलडीएफ विधायक को सही ठहराया और कहा कि कांग्रेस नेता आलोचना से परे व्यक्ति नहीं हैं।

विजयन ने कन्नूर में संवाददाताओं से कहा, 'राहुल गांधी ने जो कहा है, उसका जवाब उन्हें मिलेगा। वह आलोचना से परे नहीं हैं।' विजयन ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' का उनके द्वारा संदर्भ दिए जाने का भी बचाव किया और कहा कि यह टिप्पणी राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान गांधी द्वारा दिए गए कुछ बयानों के जवाब में की गई । उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी से भाजपा और उसके नियंत्रण वाली एजेंसियों को मदद मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता का ऐसा आचरण पूरी तरह से बचकाना था और गांधी को केवल वही नहीं दोहराना चाहिए, जो राज्य में उनकी पार्टी के कुछ नेता उनसे कहते हैं। उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'इसलिए मैंने कहा कि उन्हें अपने पुराने नाम की ओर लौटना नहीं चाहिए।'

विजयन ने एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उनसे सवाल किया गया था कि उनकी इस तरह की टिप्पणी कितनी उचित है, जबकि अतीत में वह इस तरह के व्यक्तिगत हमलों के खिलाफ रुख अपना चुके हैं। विजयन ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' का संदर्भ दिया था।

संक्षिप्त समाचार

संजय निरुपम की उम्मीदवारी से पहले महाराष्ट्र में घमासान

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस के बागी नेता संजय निरुपम की लोकसभा चुनाव में संभावित उम्मीदवारी को लेकर महायुति के घटक दलों की बीच ठन गई है। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है मगर अभी महायुति में सीटों के बंटवारे पर आम सहमति नहीं बन पाई है। अभी तक शिवसेना और भाजपा ने मुंबई की छह में से तीन सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया। इसी बीच ऐसी भी चर्चाएं तेज हैं कि संजय निरुपम शिवसेना में शामिल होंगे और उत्तर पश्चिम मुंबई सीट की दावेदारी करेंगे। मगर संजय निरुपम की संभावित उम्मीदवारी महायुति के अन्य घटक दल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के गले नहीं उतर रही है। बिना शर्त भाजपा को समर्थन देने वाली एमएनएस ने दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से संजय निरुपम के चुनाव लड़ने की चर्चा को लेकर सवाल उठाया है। महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एमएनएस के नेता मनीष धुरी ने साफ किया कि अगर शिंदे की शिवसेना उत्तर पश्चिम मुंबई से संजय निरुपम को उम्मीदवार बनाती है तो वह इसका विरोध करेंगे। बताते चलें कि संजय निरुपम और एमएनएस की बीच मतभेद की स्थिति नई नहीं है। बकौल मनीष धुरी, जब जब एमएनएस आक्रामक तरीके से मराठी का मुद्दा उठा रही थी, मराठी युवाओं की नौकरियों और रोजगार के लिए लड़ रही थी, तब तब संजय निरुपम ने विरोध किया। उन्होंने कहा, जब भी हमने मराठी युवाओं के लिए आंदोलन किया, उन्होंने इसका विरोध किया। धुरी ने निरुपम की आलोचना करते हुए उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति का कचरा बताया। संजय निरुपम 2009 में उत्तरी मुंबई से सांसद थे। इस दौरान एमएनएस ने मराठी का मुद्दा उठाया और कई आंदोलन किए उस समय मराठी-गैरमराठी विवाद खड़ा हो गया। इसमें संजय निरुपम भी कूद पड़े और उन्होंने एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे की जमकर आलोचना की। इसके बाद से ही निरुपम एमएनएस के रडार पर आ गए। इसलिए उनकी संभावित उम्मीदवारी का एमएनएस द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है।

कलचुरी समाज ने युवक-युवतियों को मंच देकर प्रेरणादाई कार्य किया: जगत बहादुर सिंह

जबलपुर। कलचुरी समाज का 29वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन मानस भवन में किया गया। सर्वप्रथम कलचुरी कुल गौरव राजरजेश्वर कार्तवीर्य भगवान सहस्त्रार्जुन जी मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम कलचुरी कुल गौरव राजरजेश्वर कार्तवीर्य भगवान सहस्त्रार्जुन जी मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गणेश वंदना एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात युवक एवं युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया। सम्मेलन में 600 युवक-युवतियों ने अपना अपना परिचय दिलाकर ,कलचुरी समाज ने युवक-युवतियों को एक विशाल मंच देकर समाज में प्रेरणादाई कार्य किया है। मैं समाज के सभी पदाधिकारियों को अपनी ओर से बधाई प्रेषित करता हूं। ये विचार कलचुरी युवक युवती परिचय सम्मेलन में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के द्वारा मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किए। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि कलचुरी समाज से मेरा पुराना जुड़ाव रहा है। वैसे तो मुझे अनेक समाजों का आशीर्वाद मिल रहा है। लेकिन कलचुरी समाज की बात ही कुछ और है। आपके समाज में मैं कुछ इस तरह घुला-मिला हूं कि मुझे लगता है कि मैं भी कलचुरी समाज का ही हूं। कलचुरी महासभा जबलपुर निरंतर कार्य करने वाला सक्रिय संगठन है।

रॉबर्ट वाड्रा अबकी बार...अमेठी में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर

अमेठी, एजेंसी। कांग्रेस ने अब तक अमेठी लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। चर्चा है कि इस सीट पर वायनाड में वोटिंग होने के बाद कांग्रेस कोई फैसला लेगी। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के ही नाम का ऐलान यहां से होगा और देरी इसलिए की जा रही है ताकि वायनाड में वोटिंग के बाद वह अमेठी पर पूरा फोकस कर सकें। लेकिन इस बीच अमेठी में राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा के नाम के पोस्टर लगे हैं। इन पोस्टरों में नारा लिखा है- अमेठी की जनता करे पुकार, रॉबर्ट वाड्रा अबकी बार। इन पोस्टरों में निवेदक के तौर पर लिखा है- अमेठी की जनता। ये पोस्टर अमेठी के गौरीगंज में स्थित कांग्रेस के दफ्तर के बाहर लगाए गए हैं। बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा खुद भी अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके हैं। उनका कहना था कि अमेठी की जनता चाहती है कि मैं वहां से चुनाव लडूं और संसद में उनका प्रतिनिधित्व करूं। वाड्रा ने कहा था कि अमेठी के लोग मानते हैं कि स्मृति इरानी को चुनकर उन्होंने गलती की थी और अब इसे सुधारने का मौका है। वाड्रा ने दावा किया था कि उनके पास अमेठी से तमाम लोगों के फोन आते हैं कि आप यहां से चुनाव लड़ें, लेकिन आखिरी फैसला पार्टी को ही लेना है। गौरतलब है कि वाड्रा की इस दावेदारी और राहुल गांधी के चुनाव लड़ने के कयासों को लेकर स्मृति इरानी ने तंज भी कसा था। उन्होंने अमेठी में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि कांग्रेस अब तक कैंडिडेट ही घोषित नहीं कर पाई है। इस बीच जीजा जी ने सीट पर दावेदारी कर दी है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा था कि पहले बस में सफर करने के दौरान ऐसा होता था कि लोग रुमाल रखकर सीट पर कब्जा जता देते थे।
अब जीजा जी ही दावेदारी कर रहे हैं। ऐसे में राहुल गांधी को पहले ही अमेठी सीट से चुनाव लड़ने के लिए रुमाल रख देना चाहिए।

भाजपा-कांग्रेस के सामने रविंद्र सिंह भाटी बन गए बड़ी चुनौती

बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान के बाड़मेर के छोटे से गांव दूधोड़ा के रहने वाले रविंद्र सिंह भाटी भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। सूबे की राजनीति में इस 26 वर्षीय नेता की खूब चर्चा है। दरअसल, भाटी राजस्थान के बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा सीट से वर्तमान में निर्दलीय विधायक हैं और बाड़मेर संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है। इस नौजवान को सुनने और देखने के लिए उसके रोड शो और सभाओं में हजारों की तादाद में लोग उमड़ रहे हैं। केंद्र सरकार के मंत्री कैलाश चौधरी को सीधे तौर पर चुनौती दी है। यह पहली बार नहीं है जब भाटी ने भाजपा से अलग राह पकड़ी है। जब-जब उन्हें टिकट नहीं मिला उन्होंने अलग राह पकड़ी और जीतकर निकले। रविंद्र सिंह भाटी जब उच्च शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे तो उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में छात्र राजनीति में कदम रखा।

राहुल गांधी के बाद सैम पित्रोदा बोले- अमेरिका में तो मरने के बाद सरकार के पास जाती है आधी दौलत

नईदिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने पिछले दिनों देश में संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराने और संपत्ति के पुनर्वितरण की बात कही थी। इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने तीखा हमला बोला था और कहा था कि कांग्रेस देश के लोगों की संपत्ति लूटना चाहती है। यह विवाद अभी थमा भी नहीं था कि कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा का बयान नया बवाल खड़ा कर सकता है। अमेरिका में बोलते हुए ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने कहा, अमेरिका में विरासत पर टैक्स लगता है। यदि किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है तो उसकी 45 फीसदी संपदा ही बच्चों को मिलती है। इसके अलावा बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार के पास चली जाती है।सैम पित्रोदा ने अमेरिकी कानून की बात करते हुए कहा, यह कानून कहता है कि आपने दौलत बनाई और उसका उपभोग किया। अब आप उसे छोड़कर जाएं तो उसका पूरा हिस्सा बच्चों को ही न मिले, कुछ देश को भी मिले। यह अच्छा कानून लगता है। भारत में ऐसा नहीं

है। यदि किसी के पास 10 अरब की दौलत है और उसकी मौत हो जाती है तो उसके बच्चों को पूरी संपदा मिलती है, पब्लिक के हाथ कुछ नहीं आता। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लोगों को डिबेट और चर्चा करनी चाहिए। मैं नहीं जानता कि इसका परिणाम क्या होगा, लेकिन जब हम संपदा के पुनर्वितरण की बात करते हैं तो हम नई नीतियों की बात कर रहे हैं। ऐसी योजनाओं की बात कर रहे हैं, जो जनता के हित में हैं। हम ऐसी स्कीमों की बात नहीं करते, जो सिर्फ देश के सुपर अमीरों के लिए ही हों।

यही नहीं राहुल गांधी की ओर से दिए बयान पर सवाल पूछा गया कि इसे पीएम नरेंद्र मोदी मुद्दा बना रहे हैं। इस पर सैम पित्रोदा ने कहा कि वह यह बात नहीं कह रहे हैं कि किसी की शर्ट लेकर दूसरे को दी जाएगी। यहां बात यह है कि कैसे संसाधनों का केंद्रीकरण होने से रोका जाए। बता दें कि कुछ सप्ताह पहले राहुल गांधी ने हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि हमारी सरकार बनेगी तो हम संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराएंगे। हम यह पता लगाएंगे कि देश में किसके पास कितनी दौलत है और उसका फिर नए सिरे से वितरण होगा। उनके इसी बयान को आधार बनाते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की एक रैली में हमला बोला था। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस आपकी दौलत उन लोगों को देना चाहती है, जिनके ज्यादा बच्चे हैं। वह चाहते हैं कि हमारी माताएं-बहनें अपने जेवर तक का हिसाब दें।

प्रधानमंत्री मोदी मिलने का समय दें, उनकी गलतफहमी करूंगा दूर- खरगे

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 की लड़ाई भाजपा और कांग्रेस में मुस्लिम लीग और मंगलसूत्र पर आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार चुनावी रैलियों में कांग्रेस पर महिलाओं का मंगलसूत्र तक छीनने और देश में मुस्लिम लीग लाने का आरोप लगा रहे हैं। पीएम मोदी के मुताबिक, कांग्रेस के मेनिफेस्टो में ऐसी कई बातें हैं, जो देश के लिए खतरा है। पीएम के इन आरोपों के जवाब में मंगलवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी मां ने देश के लिए अपना मंगलसूत्र ही कुर्बान कर दिया वो किसी का मंगलसूत्र क्या लेंगे। अब मामले में कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पास अगर समय है तो वे उनसे मिलकर कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र अच्छे से समझा सकते हैं ताकि उनकी गलतफहमी दूर हो।

इस महीने चुनावी रैलियों में पीएम मोदी ने अपने भाषणों में कई बार कांग्रेस के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी के वादे आजादी से पहले मुस्लिम लीग के विचारों की याद दिलाते हैं। रविवार को राजस्थान की एक रैली में पीएम मोदी ने यह दावा करके नए विवाद को जन्म दे दिया कि कांग्रेस का इरादा लोगों की संपत्ति जब्त कर उसे मुसलमानों में बांटना है। उन्होंने कहा था, वे आपका मंगलसूत्र भी नहीं छोड़ेंगे।

अब पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे सामने आए हैं। केरल के वायनाड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने सभी आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का घोषणापत्र है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं, अगर वह मुझे समय दें, तो मैं अपना घोषणापत्र उन्हें समझाऊंगा। हम कहां कह रहे हैं कि यह केवल मुसलमानों के लिए है?

अमेरिकी संसद में यूक्रेन-इस्राइल के लिए 95 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी, बाइडन जल्द कर सकते हैं हस्ताक्षर

वॉशिंगटन, एजेंसी। कई महीनों के इंतजार के बाद अमेरिकी संसद के उच्च सदन-सीनेट में यूक्रेन-इस्राइल की सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। अमेरिका के उच्च सदन में मंगलवार को 79 विधायकों ने इस विधेयक के पक्ष में वोट दिया था, जबकि 18 इसके खिलाफ थे। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते यह विधेयक अमेरिकी संसद के निचले सदन-हाउज ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पास हुआ था। तब रिपब्लिकन नेताओं ने अचानक से अपना रुख बदल लिया और यूक्रेन, इस्राइल एवं ताइवान के लिए 95 अरब डॉलर की ज्यादातर सैन्य सहायता पर अपना समर्थन दिया। बता दें कि सीनेट ने चार विधेयकों को एक पैकेज में बदल दिया था। इन पैकेजों में सबसे बड़ा हिस्सा 61 अरब डॉलर की सहायता यूक्रेन को प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 26 अरब डॉलर इस्राइल और दुनिया भर के संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता एवं तीसरा हिस्सा 8.12 अरब कम्युनिस्ट चीन का मुकाबला करने के लिए रखा गया है। चौथे विधेयक को सदन में पिछले हफ्ते जोड़ा गया था। इसमें चीनी नियंत्रित सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध, जब्त की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन में स्थानांनतरित करने के उपाय और ईरान पर नए प्रतिबंध शामिल हैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वादा किया था कि जैसे ही सदन में इसे पास किया जाएगा, वह इसपर हस्ताक्षर कर इसे कानून में बदल देंगे। दो अधिकारियों ने बताया कि बाइडन प्रशासन पहले से ही यूक्रेन के लिए एक अरब की सैन्य सहायता पैकेज तैयार कर रही है। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन नेताओं ने बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य विदेशी विरोधियों को यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। बताया गया कि नवंबर में चुनाव होने तक यूक्रेन को सहायता पैकेज की मंजूरी दी जा सकती है। बता दें कि यह राहत पैकेज अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने पेश किया था। इसके तहत यूक्रेन और इस्राइल के अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी सहायता राशि भेजने का प्रस्ताव है।

ईरान -पाकिस्तान बैठक के बाद अमेरिका ने ईरान के साथ कारोबार को लेकर जारी की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ कारोबार करने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को अमेरिका की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के जोखिम की भी जानकारी होनी चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने ईरान के राष्ट्रपति की पाकिस्तान की यात्रा के बारे में किए गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मैं व्यापक तौर पर यह कहना चाहता हूं कि हम ईरान के साथ कारोबार की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम के बारे में सजग रहने की सलाह देते हैं।

पाकिस्तान सरकार को अपनी विदेश नीति के बारे में बेहतर पता होगा। ईरान के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान पाकिस्तान और ईरान ने आठ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने पर भी सहमत हुए। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में उसकी मदद करने वालों पर प्रतिबंध लगाया, जिसमें चीन की तीन कंपनी भी शामिल हैं। पटेल ने कहा, ''प्रतिबंध इसलिए लगाए गए क्योंकि ये ऐसी संस्थाएं हैं जो सामूहिक विनाश के हथियारों के उत्पादन और उनके प्रसार को बढ़ावा दे रही थीं। ये बेलारूस में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से जुड़ी कंपनी हैं और हमने देखा है कि इन्होंने किस प्रकार से पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए जरूरी घटक और अन्य सामान मुहैया कराए। एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा कि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध है। राइडर ने कहा, ''वह क्षेत्र में महत्वपर्ण सरक्षा भागीदार है।

आवश्यकता है

दैनिक भेदी नजर अखबार को नारनौल, जिला महेंद्रगढ़, कनीना और अटेली विधानसभा के अन्दर आने वाले सभी गांव से समाचार लाने के लिए और घर व दुकानों पर अखबार बाटने के लिए लड़को की तुरंत आवश्यकता है और महेंद्रगढ़ जिला, कनीना और अटेली विधानसभा में आने वाले सभी गांव से विज्ञापन बुक करने के लिए संपर्क करें 9896440781

नोट : भेदी नजर अखबार को अपने घर और दुकान, ऑफिस, स्कूल-कॉलेज आदि में लगवाने के लिए सम्पर्क करें ।

हमारा पता : जय श्री श्याम भेदी नजर एजेंसी कनीना बस स्टैंड के पीछे चिकना प्रिंटिंग प्रेस नजदीक फुटबॉल ग्राउंड के पास

- सूचना -

फ़रीदाबाद ज़िला में भेदीनज़र समाचारपत्र में अपने समाचार,विज्ञापन देने और अख़बार की कापी प्राप्त करने के लिये सम्पर्क करें -
1-गोपाल न्यूज़ एजेन्सी
अम्बेडकर चौक बल्लभगढ़
मोबाइल नम्बर-9811477 204
2-नरेंद्र बुक्स शाप
मूँगफली चौक ऐन.आई. टी. नम्बर -5 फ़रीदाबाद
मोबाइल नम्बर : 9810229192
3-दीक्षित न्यूज़ एजेन्सी ओल्ड फ़रीदाबाद
मोबाइल-98111 59238

छोटा विज्ञापन बड़ा फायदा
आज ही स्पेस बुक कराएं
कॉल करें
0120-4152063,
9811157 562

नई एवं तरोताजा खबरों के लिए भेदी नजर पढ़िए, समय के साथ चलिए
सुनहरा मौका वार्षिक ग्राहक बनिए और
वीआईपी एल्फा सूटकेस कीमत रु. 900 प्राप्त करिए
भेदी नजर समाचार पत्र के ग्राहक बनें
मात्र 700 रूपये दीजिए और वार्षिक ग्राहक बनने के अलावा तुरंत पाइए
और अन्य आकर्षक उपहार के लिए
बम्पर ड्रा
पहला इनाम
एक हीरो बाईक
दूसरा इनाम
एक सोनी एलसीडी 32 इंच
व अन्य आकर्षक ईनाम
तीसरा इनाम
बीस मोबाईल फोन
- कोई भी व्यक्ति एजेंट 500 से अधिक मैंबर बना लेगा तो उसे अलग से उपहार दिया जाएगा।
- ये स्कीम एक जनवरी 2024 से 31 दिसम्बर 2024 तक चलेगी।
- 31 दिसम्बर 2024 को 1000 सदस्य बनाने पर बम्पर ड्रा निकाला जाएगा जिसमें उपरोक्त इनाम
- हरियाणा के किसी भी मंत्री द्वारा दिए जाएंगे।
- ड्रा बम्पर ड्रा में भेदी नजर के वार्षिक मेम्बर ही भाग ले सकते है।
- भेदी नजर प्रत्येक माह की पहली तारिख को कूपन छापेगा।

आर.एन.आई. नं. DEL/HIN/2004/13528
प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक उमा शर्मा द्वारा
उमा पब्लिकेशनस्
1001/1002 दसवां तल नौरंग हाऊस, 21 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली -1 से प्रकाशित
एवं नीलू प्रिंटिंग प्रेस
ई-33 सेक्टर -7 नोएडा से
मुद्रित
संपादक
उमा शर्मा
प्रधान संपादक
गिरीश चन्द्र शर्मा
फोन नं. -
011-66304689
0120-4189808
0129-2290152
0129-2267 07 8
0129-2977562
फैक्स नं. -
011-66304690
0129-2297 640
मो. : 9811157 562,
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद होगा ।
पीआईबी एक्ट अनुसार सभी विवादित समाचारों की ज़िम्मेदारी समाचार लेखक की होगी भेदीनज़र संस्थान ,संपादक और प्रधान संपादक क़ानूनन ज़िम्मेदार नहीं होगा